आदर्श प्रश्न पत्र
विषय– हिन्दी
कक्षा–बारहवीं

निर्धारित समय– 03 घंटे | अधिकतम अंक–80

सामान्य निर्देश–

1) सभी प्रश्न अनिवार्य है। सुलेख का विशेष ध्यान रखें।
2) प्रश्नों के उतर देते समय जो प्रश्न संख्या प्रश्न पत्र पर दर्शाई गई है, उतर पुस्तिका पर वही प्रश्न संख्या लिखना अनिवार्य है।
3) प्रश्न संख्या 1 से 16 तक बहुविकल्पीय प्रश्नों के उतर क्रमानुसार लिखें।

प्र01 'देवसेना का गीत' जयशंकर प्रसाद जी के किस नाटक से लिया गया है? 1

A समुद्रगुप्त B अजातशत्रु C स्कन्दगुप्त D चन्द्रगुप्त

प्र02 विनय पत्रिका व गीतावली किस भाषा में लिखित रचनांए हैं? 1

A अवधी B ब्रज C भोजपुरी D बघेली

प्र03 अज्ञेय जी ने दिल्ली कारावास में कौन सी रचना लिखी ? 1

A कितनी नावों में कितनी बार B अपने–अपने अजनवी

C शेखर–एक जीवनी D नदी के द्वीप

प्र04 पदमावत में :बारहमासा' में किसके विरह का वर्णन है? 1

A रत्नसेन B पदमावती C तोते D नागमती

प्र05 'श्रमित स्वप्न की मधु माया में' कौन–सा अलंकार है? 1

A उपमा B अनुप्रास C रूपक D विरोधाभास

प्र06 'प्रेमधन की छाया–स्मृति' किस विधा की रचना है? 1

A जीवनी B आत्मपरिचय C संस्मरण D डायरी–लेखन

प्र07 चन्द्रधर शर्मा गुलेरी जी की कालजयी कहानी का शीर्षक क्या है?। 1

A ईद B उसने कहा था C टोकरी भर मिट्टी D यामा

प्र08 'संवदिया' पाठ के लेखक कौन हैं? 1

A रामचन्द्र शुक्ल B पूर्ण सिंह C फणीश्वर नाथ रेणु D प्रेमचन्द

प्र09 भीष्म साहनी को 'साहित्य अकादमी पुरस्कार' किस रचना के लिए मिला था ? 1

A तमस B कड़ियाँ C बसंती D कुन्तो

प्र010 'चार हाथ' लघु कथा में किस शोषक की बात की गई है? 1

A राजा B पूँजीपति C नौकरशाह D मंत्री

प्र011 'सूरदास की झोंपड़ी' अंश प्रेमचन्द जी के किस उपन्यास से है? 1

A गवन B निर्मला C रंगभूमि D प्रेमाश्रम

प्र012 बिसनाथ को बचपन में किसने पाला ? 1

A माँ B दादी C नानी D कसेरिन दाई

प्र013 स्तम्भ लेखन का अवसर प्रायः किसे दिया जाता है ? 1

A पत्रकार को B लेखक विशेष को C संपादक को D फ्रीलांसर को

प्र014 'वियोगी होगा पहला कवि' किस कवि की उक्ति है? 1

A निराला B पंत C महादेवी वर्मा D सुभद्रा कुमारी चौहान

प्र015 एक विद्यार्थी भारत में जनसंचार के इतिहास पर प्रोजेक्ट बना रहा है। उसे पता चलता है कि भारत का पहला रेडियो स्टेशन उसी शहर में स्थापित हुआ था। वह किस शहर की बात कर रहा है? 1

A चेन्नई B दिल्ली C मुम्बई D कोलकात्ता

प्र016 सही मिलान करें – 1

1) मलिक मुहम्मद जायसी	(i) परिन्दे
2) रामचन्द्र शुक्ल	(ii)अखरावट
3) निर्मल वर्मा	(iii) मैला आँचल
4) फणीश्वरनाथ रेणु	(iv) हिन्दी साहित्य का इतिहास

A- 1-(ii), 2-(iv), 3-(i) 4- (iii)
B- 1-(i), 2-(iii), 3-(iv) 4- (ii)
C- 1-(iii), 2-(ii), 3-(i) 4- (iv)
D- 1-(ii), 2-(i), 3-(iv) 4- (iii)

प्र017 निम्नलिखित गद्यांश को पढकर अन्त में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–**1+1+1+1+2=6**

राष्ट्रीयता एक पुनीत भावना है। जब मानव और समाज अपने क्षुद्र स्वार्थों को त्याग कर देश के व्यापक हित तथा जनकल्याण की ओर अग्रसर होता है, तब इस भावना का विकास होता है। राष्ट्र के सुख में प्रत्येक व्यक्ति सुखी और उनके दुःख में दुखी रहकर सच्ची राष्ट्रीयता का अनुभव करता है। आधुनिक युग में राष्ट्रीयता की भावना को पाश्चात्य देन कहा जाता है, किन्तु भारतीय मनीषियों ने शताब्दियों पूर्व राष्ट्रीयता का विकास कर उसे अन्तर्राष्ट्रीय और विश्व बन्धुत्व की सीमा तक पहुंचा दिया था। अथर्ववेद के 'पृथ्वी सूक्त' में जिस अनेकता में एकता का सन्देश है, वह अत्यन्त दुर्लभ है। इस सूक्त में मातृ भूमि की गौरूप में कल्पना अत्यन्त मनोरम है। यह धेनुरूपनी पृथ्वी विविध भाषा बोलने वाले तथा नाना धर्मो का पालन करने वाले जनसमूह का भिन्न–भिन्न प्रकार से पालन करती है। भारतीय लोकगीतों में राष्ट्रीयता का यही रूप उपलब्ध है, जिसमें अपने इष्ट के लिए दूसरे के अनिष्ट की किंचित मात्र भी सम्भावना नहीं है । इन गीतों की राष्ट्रीय भावना विश्व बंधुत्व का मार्ग प्रशस्त करती है।

i) राष्ट्रीयता कैसी भावना है?

(ii) अथर्ववेद के पृथ्वीसूक्त में क्या संदेश निहित है?

(iii) आधुनिक युग में राष्ट्रीयता की भावना को क्या कहा जाताहै?

(iv) राष्ट्रीयता की भावना का विकास कैसे होता है ?

(v) निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और सही विकल्प चुनकर लिखिए –

कथन – राष्ट्रीयता एक पुनीत भावना है।

कारण –राष्ट्रीयता व्यक्ति को अपने स्वार्थ से ऊपर उठकर जनकल्याण के लिए प्रेरित करती है।

विकल्प A) कथन और कारण दोनों सत्य हैं। कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।

B) कथन और कारण दोनों सत्य हैं। परन्तु कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं करता है।

C) कथन सत्य है लेकिन कारण असत्य है।

D) कथन असत्य है, लेकिन कारण सत्य है।

प्र018 निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर नीचे दिए किन्हीं चार प्रश्नों के लिखे। 4x1.5=6

युद्ध की ज्वाला जगी है
था सकल संसार बैठा
बुद्धि में बारुद्ध भर कर
क्रोध, ईर्ष्या, द्वेष मद की,
प्रेम सुमनावति निदर कर,
एक चिंगारी उठी, तो आग दुनिया में लगी है।
लादें बोझ निज वांछा का,
मेरी असफल आकांक्षा यह
असफल बन गयी बिना बोले
पड़ गयी गाँठ मेरे हिय में
उसको कोई कैसे खोले ?

(i) संसार बुद्धि में क्या भरकर बैठा था ?

(ii) युद्ध की ज्वाला, कवि के अनुसार क्यों जली है?

(iii) कवि के अनुसार प्रेम के फूलों का क्या हुआ?

(iv) कवि के हृदय में गाँठ किस कारण पड़ गई ?

(v) कवि किस चीज का बोझ लादे हुए घूमता है?

(vi) निम्नलिखित कथन व कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और सही विकल्प चुनकर लिखिए–

कथन – कवि के अनुसार युद्ध की ज्वाला मानव के भीतर भरे क्रोध, ईर्ष्या व अहंकार के कारण भडकती है।
कारण– मनुष्य ने अपनी बुद्धि का उपयोग शांति और सद्भाव स्थापित करने के लिए किया है।

विकल्प
क) कथन और कारण दोनो सत्य हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।
ख) कथन और कारण दोनों सत्य हैं परन्तु कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं करता है।
ग) कथन सत्य है, किन्तु कारण असत्य है।
घ) क चन असत्य है, किन्तु कारण सत्य है।

प्र019 निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर सारगर्भित निबन्ध लिखिए: 4
(i) पर्यावरण प्रदूषण समस्या एवं समाधान
(ii) बेटी है अनमोल
(iii) मोबाइल के लाभ व हानियाँ
(iv) खेलों का जीवन में महत्व
(v) साहित्य और समाज

प्र020 सडक परिवहन अधिकारी को लोकल बसों के समय पर न आने की शिकायत करते हुए पत्र लिखिए। 4

अथवा

'योग के महत्व' पर प्रकाश डालते हुए अपने छोटे भाई को पत्र लिखिए।

प्र021 निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए – 3x2 =6
(i) टी0वी0 व रेडियो समाचारों में क्या अन्तर है?
(ii) सम्पादकीय लेखन क्या है?
(iii) कविता की रचना में छंद का क्या महत्व है?
(iv) कहानी की अपेक्षा लोग नाटक को लम्बे समय तक याद क्यों रखते हैं?
(v) रटंत विद्या को बुरी आदत क्यों कहा गया है ?

प्र022 निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए– 4

तुमने कभी देखा है
खाली कटोरों में वसंत का उतरना ।
यह शहर इसी तरह खुलता है
इसी तरह भरता
और खाली होता यह शहर
इसी तरह रोज रोज एक अनंत शव
ले जाते हैं कन्धे
अंधेरी गली से
चमकती हुई गंगा की तरफ

अथवा

अगहन देवस घटा निसि बाढी। दूभर दुख सो जाइ किमि काढी।।
अब धनि देवस विरह भा राती। जरै विरह ज्यों दीपक बाती॥
काँपा हिया जनाना सीऊ।. तो पै जाई होइ संग पीऊ॥
घर–घर चीर रचा सब काहूँ। मोर रूप रंग लै गा नाहू॥
पलटि न बहुरा गा जो विछोई। अबहूँ फिरै फिरै रंग सोइ॥
सियरि अगनि विरहिनि हिय जारा। सुलगि सुलगि दग धै भै छारा॥
यह दुख दगध न जाने कंतू । जोबन जनम करे भसगन्त ॥

प्र023 निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए– 3x2=6
(i) 'उड़ते खग' और 'बरसाती आँखों के बादल' में क्या विशेष अर्थ व्यंजित होता है

(ii) 'सरोज स्मृति' को शोक गीत कहा गया है, शोक गीत की क्या विशेषता है।

(iii) 'यह दीप अकेला पर इसको भी पंक्ति को दे दो' के आधार का व्यष्टि का समष्टि से विलय कैसे संभव है?

(iv) आपका मित्र पहली बार बनारस घूमने जा रहा है, तो आप उसे वहाँ की कौन–कौन सी विशेषताओं के बारे में बताएंगे ?

(v) कवि को धरती व मन की भूमि में क्या क्या समानताएं नजर आती है ?

(vi) 'राधौ एक बार फिरि आवौ' में निहित करुणा और संदेश को अपने शब्दो में स्पष्ट करें।

प्र024 प्रस्तुत गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढकर निम्नलिखित प्रश्नों के उतर लिखें– case study 3

सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' हिन्दी साहित्य के प्रमुख कवियों में से एक थे। वह छायावाद के महत्वपूर्ण स्तंभ माने जाते हैं। उनका जीवन अनेक संघर्षो, पारिवारिक दुखों और आर्थिक कठिनाइओं से भरा रहा, फिर भी उन्होंने साहित्य साधना नहीं छोड़ी। उनकी रचनाओं में मानवीय संवेदनाएं, करुणा, विद्रोह और सामाजिक चेतना स्पष्ट दिखाई देती है। 'जूही की कली' से लेकर 'सांध्य–काकली' तक उनकी काव्य यात्रा निन्तर चलती रही। वे प्रयोगवाद और नई कविता के मार्गदर्शक कवि भी माने जाते हैं।

(i) निराला जी को किन साहित्यिक आंदोलनों का मार्गदर्शक माना जाता है?

(ii) निराला जी की केस स्टडी के आधार पर विशेषता लिखिए।

(iii) दो छायावादी कवियों के नाम लिखें।

<u>अथवा</u>

(L3) निम्नलिखित में से किसी एक कवि की काव्यगत विशेषताएं लिखिए–

(i) केदारनाथ सिंह

(ii) तुलसीदास

प्र025 निम्नलिखित पठित गद्याशो में से किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या कीजिए – 4+4=8

(i) जिसका मन अपने वश में नहीं है वही दूसरों के मन का छंदावर्तन करता है, अपने को छिपाने के लिए मिथ्या आडम्बर रचता है, दूसरों को फंसाने के लिए जाल विछाता है। कुटज इन सब मिथ्याचारों से मुक्त है। वह वशी है। वह वैरागी है। राजा जनक की तरह संसार में रहकर, सम्पूर्ण भोगों को भोगकर भी उनसे मुक्त है। जनक की भांति वह घोषणा करता है– 'मैं स्वार्थ के लिए अपने मन को सदा दूसरे के मन में घुसाता नहीं फिरता, इसलिए मैं मन को जीत सका हूँ, उसे वश में कर सका हूँ।

(ii) ये लोग आधुनिक भारत के 'नए शरणार्थी' है, जिन्हें औद्योगीकरण के झंझावात ने अपनी घर जमीन से उखाडकर हमेशा के लिए निर्वासित कर दिया है। प्रकृति और इतिहास के बीच एक गहरा अन्तर है। बाढ़ या भूकम्प के कारण लोग अपना घर बार छोड़कर कुछ अरसे के लिए बाहर जरूर चले जाते हैं, किन्तु आफत टलते ही वे दोवारा अपने जाने–पहचाने परिवेश में लौट भी आते हैं। किन्तु विकास और प्रगति के नाम पर जब इतिहास लोगों को उन्मूलित करता है, तो वे फिर कभी अपने घर वापस नहीं लौट सकते।

(iii) धर्म के रहस्य जानने की इच्छा प्रत्येक मनुष्य न करें, जो कहा जाए, वही कान ढलकाकर सुन ले, इस सतयुगी मत के समर्थन में घड़ी का दृष्टांत बहुत तालियाँ पिटवा कर दिया जाता है। घडी समय बतलाती है। किसी घड़ी देखने, जानने वाले से समय पूछ लो और काम चला लो। यदि अधिक करो तो घड़ी देखना स्वयं सीख लो, किन्तु तुम चाहते हो कि घड़ी का पीछा खोलकर देखें, पुर्जे गिन लें – उन्हें खोलकर फिर जमा दें, साफ करके फिर लगा लें– यह तुमसे नहीं होगा। तुम उसके अधिकारी नहीं। यह तो वेद शास्त्रज्ञ धर्माचार्यों का ही काम है कि घड़ी के पुर्जे जानें, तुम्हे इससे क्या?

प्र026 निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए– 3x2=6

(i) 'कुट', कुटज और कुटनी शब्दों का विश्लेषण कर उनमें आपसी सम्बन्ध स्थापित कीजिए।

(ii) 'मनोकामना' की गाँठ भी अद्भुत, अनूठी है, इधर बाँधों उधर लग जाती है।' कथन के आधार पर पारो की मनोदशा का वर्णन कीजिए ।

(iii) औद्योगीकरण ने पर्यावरण का संकट पैदा कर दिया है, क्यों और कैसे ?

(iv) 'शेर' कहानी मे हमारी व्यवस्था पर जो व्यंग्य किया गया है, उसे स्पष्ट करें।

(v) अखवार वाली घटना से नेहरू जी के व्यक्तित्व की कौन सी विशेषता प्रकट होती है?

प्र027 निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढकर निम्नलिखित प्रश्नो के उत्तर लिखें–case study 3

ममता कालिया हिन्दी साहित्य की प्रसिद्ध लेखिका है। उन्होंने अपनी रचनाओं में मध्यवर्गीय जीवन, महिलाओं की समस्याएं सामाजिक सम्बन्धों और आधुनिक जीवन की चुनौतियों को सरल एवं प्रभावशाली भाषा में प्रस्तुत किया है। उनकी रचनाओं में व्यंग्य, यथार्थ और संवेदनशीलता का सुन्दर समन्वय दिखाई देता है। उन्होंने कहानी, उपन्यास, कविता और नाटक जैसी अनेक विधाओं में लेखन किया । उनकी लेखन शैली सहज बोलचाल की और पाठकों को सोचने के लिए प्रेरित करने वाली है।

(i) ममता कालिया की रचनाओ के मुख्य विषय क्या है ?

(ii) ममता कालिया जी अलग–अलग साहित्यिक विधाओं में माहिर है, किन्हीं दो के नाम लिखिए ।

(iii) ममता कालिया की रचनाएं पाठकों डालती पर क्या प्रभाव डालती है ?

अथवा

निम्नलिखित में से किसी एक गद्यकार की संक्षिप्त साहित्यिक विशेषताएं लिखिए–

(i) निर्मल वर्मा

(ii) चन्द्रधर शर्मा गुलेरी

प्र028 निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए – 2+2=4

(i) सूरदास जगधर से अपनी आर्थिक हानि को गुप्त क्यो रखना चाहता था

(ii) मालवा में अब वैसा पानी नहीं गिरता जैसा गिरा करता था? आप इसका क्या कारण मानते हैं?

(iii) गरमी व लू से बचने के उपायों का विवरण दीजिए। क्या आप इन उपायों से परिचित है?

(iv) कोइयां किसे कहते हैं ? इसकी विशेषताएं बताइए ।

प्र029 'तो हम सौ लाख बार बनाएंगे'– इस कथन के आधार पर सूरदास के चरित्र का विवेचन कीजिए ।

अथवा 4

प्रकृति सजीव नारी बन गई'– इस कथन के सन्दर्भ में लेखक की प्रकृति, नारी और सौंदर्य संबंधी मान्यताए स्पष्ट कीजिए ।

Format of Design
Question Paper/Test

Subject: Hindi
Unit/Paper: Elective
Class: 10+2
Time: 03 hours
Marks: 80

Weightage to objectives

Objective	Knowledge of language elements L1	Comprehension L2	Expression L2	Appreciation L3	Total
Percentage of Marks	8.75	41.25	41.25	8.75	100
Marks	07	33	33	07	80

Weightage to form of question:

Form of Questions	E/LA	SA	VSA	Q (MCQ)	Total
No.of Questions	07	06	-	16	29
Marks allotted	36	28	-	16	80
Estimated time	90 min	60 min		30 min	180 min 03 hours

Weightage to Major Content Areas:

S.No.	Units/Sub-Units	Marks
1	बहुविकल्पीय प्रश्न	16
2	अपठित गद्यांश, पद्यांश	12
3	रचनात्मक लेखन (निबन्ध पत्र अभिव्यक्ति माध्यम)	14
4	पद्य(व्याख्या, प्र0उ0,काव्य,केस स्टडी)	13
5	गद्य (व्याख्या, प्र0उ0,लेखक ,केस स्टडी)	25
	Total	80

Index of Abbreviations:
(E/LA: Essay/Long Answer; SA: Short Answer; VSA: Very Short Answer; O: Objective)

BLUE PRINT

FORMAT OF BLUE PRINT

Subject: Hindi Class: 10+2

Unit/Paper: Elective Max.Marks: 80 Time: 3 hours

S.No.	Objective → / Form of Questions	Elements of Language				Comprehension				Expression				Appreciation				Total Row Wise
	Content Unit Sub Unit	E	SA	VSA	O	E	SA	VSA	O	E	SA	VSA	O	E	SA	VSA	O	
1	बहुविकल्पीय प्रश्न	-	-	-	7	-	-	-	7	-	-	-	1	-	-	-	1	16
2	गद्यांश, पद्यांश (अपठित)	-	-	-	-	6		-		6		-	-	-	-	-	-	12
3	निबन्ध पत्र अभिव्यक्ति	-	-	-	-		2+2	-		4+4	2	-		-	3	-	-	14
4	पद्य(भाग)	-	-	-	-	4	2+2	-		-	2	-		-	3	-	-	13
5	गद्य(भाग)	-	-	-	-	-	2+2	-		4+4+4	2	-		-		-	-	25
							2+2	-			-							
	Sub Total				7	10	16		7	26	6		1		6		1	QS(Marks) =80
	Total Column → Wise	07 (Marks Total)				33 (Marks Total)				33 (Marks Total)				07 (Marks Total)				

Notes: Figures within brackets to indicate the number of questions and figure outside the brackets to indicate marks. Denotes those marks have been combined to form one question.

Summary:						
	Essay(E)	No. <u>02</u>	Marks <u>12</u>	Pattern of options	yes option given
	Short Answer(SA)	No. <u>11</u>	Marks <u>52</u>		
	Very Short Answer(VSA)	No. <u>-</u>	Marks <u>-</u>	Scheme of Sections	-
	Objective (O)	No. <u>16</u>	Marks <u>16</u>		